# NORTH POINT SENIOR SECONDARY BOARDING SCHOOL

## (ARJUNPUR /RAJARHAT /BOLPUR)

# प्रतिवेदन

## हिंदी दिवस

हर वर्ष १४ सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है क्योंकि इस दिन भारत की संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी भाषा को अनुच्छेद ३४३ के तहत भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषा घोषित किया था। भारत की संविधान ने १४ सितंबर १९४९ को अधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी को अपनाया। हिंदी दिवस को उस दिन को याद करने के लिए मनाया जाता है, जिस दिन हिंदी हमारे देश की आधिकारिक भाषा बन गई । हर साल हिंदी के महत्व पर जोर देने और हर पीढ़ी के बीच इस को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। यह दिन हर साल हमें अपनी असली पहचान की याद दिलाता है और देश के लोगों को एकजुट करता है। हिंदी हमारे देश की सबसे व्यापक रूप में बोले जाने वाली भाषा है।२००१ में आयोजित जन गण जनगणना में ४२२ लाख से अधिक लोगों ने अपनी मातृभाषा के रूप में हिंदी का उल्लेख किया है।

हिंदी भारत की राजभाषा है। यह विश्व की सबसे अधिक बोले जाने वाली भाषाओं में से एक है। हिंदी एक सरल सुबोध और सशक्त भाषा है इसमें संप्रेषण की अद्भुत शक्ति है। यही कारण है कि हिंदी पूरे भारत में संपर्क भाषा के रूप में प्रयोग की जाती है। ध्वन्यात्मक भाषा होने के कारण इसे बोलना तथा लिखना बहुत ही सरल है। यह एक आधुनिक तथा पूर्णता वैज्ञानिक भाषा है। माइक्रोसॉफ्ट कंपनी के मालिक बिल गेट्स के अनुसार “ **हिंदी भाषा विश्व की अन्य भाषाओं की तुलना में सबसे अधिक वैज्ञानिक भाषा है।**“

आज हिंदी भारत की सीमा से निकलकर विश्व धरातल पर पहुंच चुकी है। हिंदी भाषा भारत के अतिरिक्त नेपाल, मॉरीशस, फिजी, त्रिनीदाद, सूरीनाम, ब्रिटिश आदि में बोली जाती है। विश्व के लगभग 125 विश्वविद्यालयों तथा संस्थानों में पढ़ाई जाती है। विदेशों में हिंदी सीखने वालों की संख्या दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है। हिंदी के माध्यम से वे भारतीय संस्कृति से परिचित होते हैं। चीन,जापान,कोरिया,फ्रांस जर्मनी, हंगरी, इटली, पोलैंड में हिंदी सीखने वाले छात्रों की संख्या में दिनोंदिन बढ़ोतरी हो रही है। आज यह अंतरराष्ट्रीय भाषा का स्वरूप ले रही है।

हमें अपनी भाषा का सम्मान करना चाहिए और उस पर गर्व करना चाहिए। यही हमारी उन्नति का आधार है। लगभग डेढ़ सौ वर्ष पूर्व भारतेंदु हरिश्चंद्र ने कहा था

**“निज भाषा उन्नति अहै,**

**सब उन्नति को मूल**

**बिन निज भाषा-ज्ञान के**

**मिटे न हिय को सूल।“**

हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी के इसी महत्व को हमारे विद्यालय में भी बड़े उत्साह पूर्वक बच्चों द्वारा मनाया गया। इसी परिप्रेक्ष्य में बच्चों द्वारा कविता वाचन, व्याख्यान प्रस्तुत किया गया । चित्र बनाए गए। इसके द्वारा बच्चे भारतीय संस्कृति व सभ्यता को पहचान सकेंगे तथा अपने जड़ों से जुड़ सकेंगे।

यह तो हिंदी का सकारात्मक पक्ष हुआ। पर कहीं न कहीं हिंदी भाषा को वह सम्मान, वह दर्जा अपने ही देश में नहीं प्राप्त है जिसकी वह वास्तव में हकदार है। इसी पर अपने मन की व्यथा तथा अभिलाषा को विकास सर ने कविता के माध्यम से व्यक्त किया है -

यह मेरी अभिलाषा हैं

हिन्दी दिवस मनाने वालों सबको शीश झुकाता हूँ ,

माँ भारती की बेटी की तुमको व्यथा सुनाता हूँ ,

देख दुर्दशा तेरी माते रोता बहुत है मेरा यह मन ,

चीर हरण करके दुष्टों नें नोच लिया है तेरा तन ,

नहीं हुए अपने भी अपने तो गैरों का क्या रोना ,

तेरे बेटे ही तेरे हित निकल न पाये खरा सोना ,

नहीं रही अब तू वैसी तू केवल हिन्दी की लाश ,

सम्मानित पद पाने की टूट चुकी है तेरी आश ,

वैभव धूमिल होता सारा भरा खजाना खाली है ,

पुष्पहीन उद्यान हुआ सुनी बगिया ना माली है ,

रक्त उबल पड़ता है मेरा जब यह दृश्य देखता हूँ ,

लगता है हृदय ताप पर अपने अरमान सेकता हूँ ,

तू भारत की भाग्य विधाता होकर भी न हो पाई ,

ना सम्मान मिला भारत में ना ही वह पदवी पाई ,

हा ! कपूत बेटे बनकर हम रस्में सिर्फ निभाते है ,

दंभ भरा करते है झूठा हम झूठे गीत ही गाते है ,

जब स्वतंत्र हुए थे तब क्या मन की अभिलाषा थी ,

राष्ट्रभाषा बनेगी हिन्दी जागी दिल में आशा थी ,

पर सारे अरमानों को बस एक पल में ही तोड़ दिया ,

रक्षक ही भक्षक बन बैठे वादों से मुहँ मोड लिया ,

गौरवशाली था अतीत और सच वर्तमान भी है भारी ,

जन जन करता तेरी पूजा लगती तू सबको प्यारी ,

न जाने क्या कारण वह मान न तुझको मिल पाया ,

भ्रम में भी भ्रम रहा सदा ही और तुझे भी भरमाया ,

लेकिन अब भी है उम्मीदें भाग्य तेरा अब बदलेगा ,

भारत का बेटा आगे आकर तुझको तेरा पद देगा ,

तब जाकर आतप मन को शांति कही मिल पाएगी ,

भारत की जनता हिन्दी के गीत हृदय से गाएगी ,

परिवर्तन होगा बदलेगा अब तेरा रूप और तेरा काज ,

विश्व पटल पर तू छाएगी तुझको होगा हम पर नाज ,

विस्तृत नभ के हर कोने से होगा तेरा ही गुणगान ,

झसूनी बगिया फिर महकेगी होगा हिन्दी का सम्मान ,

नव विप्लव नव गायन होगा सरस सुधा रस बरसेगा ,

शोभित उन्नत देख तुझे हर मानव का मन हरसेगा ,

एक राष्ट्र एक ही भाषा ऐसा बने एक नया संसार ,

भारत में ही नहीं विश्व में हो हिन्दी का अब विस्तार,

संस्कार दे सभ्य बनाती हिन्दी एकमात्र वह भाषा है ,

भारत का सिरताज बने वह यह मेरी अभिलाषा हैं ,

ऐसी मेरी अभिलाषा है .. . . . .।

सधन्यवाद

हिंदी विभाग

**VIDEO LINKS FOR PERFORMANCE BY SCHOOL STUDENTS**

https://youtu.be/kSCqbfqTTNs

https://youtu.be/IGs8HO_xPA4

https://youtu.be/ROZWeP4PeJE

https://youtu.be/0o3qEwBhL_I

https://youtu.be/rvIU1FzqiSs

https://youtu.be/fchjSh9YvDA

https://youtu.be/tG7UuwfYP74

https://youtu.be/wfhO9W10DIU

https://youtu.be/XNHCXKjtS-w

https://youtu.be/c5PS37OKsXo

https://youtu.be/6hXxE5mdmHA

https://youtu.be/K3Eva_bOSPo

https://youtu.be/PgTBEULHZ1I

https://youtu.be/300vfdfMvQg

https://youtu.be/RXMDf8hku4Y

https://youtu.be/I7JZ_jQel8g